रिपोर्ट शिक्षक पर्व उद्घाटन सत्र (07 सितम्बर 2021)

प्रतिवेदक- प्रो. संध्यासिंह, अध्यक्षा, भाषाशिक्षाविभाग ,एन.सी.ई.आर.टी.

आज 07-09-2021 प्रधानमंत्री ने शिक्षक पर्व का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री, शिक्षा मंत्री, कई सरकारी शैक्षिक संस्थाओं के निदेशकों और अध्यापकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने सभी का स्वागत और साथ ही कार्यक्रम की भूमिका और उद्देश्य को प्रतिपादित किया। प्रधान जी ने शिक्षक दिवस को शिक्षक पर्व की तरह मनाए जाने को आधार मान कर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विषय में बताया जहाँ उन्होंने कहा कि 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के केंद्र में शिक्षक हैं।' इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने पांच नए प्रोजेक्ट लॉन्च किए।

- **UDL ढांचा आधारित ISL शब्द कोश**
- **TALKING BOOKS बोलती किताबें**
- **निष्ठा 3.0 निपुण भारत**
- **विद्यांजलि 2.0**
- **स्कूल क्वालिटी असेसमेंट एंड एश्योरेंस फ्रेमवर्क**

इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के ड्राफ्टिंग कमिटी के अध्यक्ष और सदस्य भी मौजूद रहे।

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020** जुलाई जारी की गई है। नीति का उद्देश्य भारत में स्कूली शिक्षा को बदलना है। यह नीति शिक्षा क्षेत्र के लिए कई परिवर्तनकारी विचारों की सिफारिश करती है, जिसका हर नागरिक पर प्रभाव पड़ेगा। इसलिए हमारे शिक्षकों के लिए स्कूली शिक्षा से जुड़े हर पहलू को बारीकी से समझना बहुत जरूरी है।

प्रधानमंत्री ने शिक्षकों और वर्चुअल मोड में जुड़े बहुत से गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित किया। साथ ही राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों को बधाई दी। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'इस उत्साह को बनाए रखते हुए कोरोना के प्रोटोकॉल को भी ध्यान रखना है और नियमों का पालन कड़ाई से करना है।' लॉन्च किए जाने वाले प्रोजेक्ट में पहला **ISL**आई एस एल प्रोजेक्ट था जो भारतीय सांकेतिक भाषा सीखने के संदर्भ में है।इस सांकेतिक भाषा के शब्दकोश को यूनिवर्सल डिज़ाइन फ़ॉर लर्निंग(UDL)के ढांचे में तैयार किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'किसी भी राष्ट्र के विकास के लिए शिक्षा का समान और समावेशी होना आवश्यक है। देश की शिक्षा को विस्तार देने के उद्देश्य से टॉकिंग बुक (बोलती किताबें) को शामिल किय जा रहा है। यूडीएल डिजाईन पर निर्मित शब्दकोश में 10000 शब्दों को सांकेतिक रूप दिया गया है। जिसका सीधा लाभ 13 लाखउन विद्यार्थियों को मिलेगा जो किसी न

किसी रूप से विशेष दर्जे में आते हैं। इसके साथ ही दृष्टिहीन और दृष्टिबाधित छात्रों के लिए ऑडियो बुक्स का भी निर्माण किया गया है। जो एनसीईआरटी के दीक्षा पोर्टल पर उपलब्ध हैं। इसमें 2000 पाठ शामिल किए गए हैंसाथ ही शिक्षक पर्व पर आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपरांत प्रधानमंत्री ने कहा कि 'आज़ादी के सौ वर्षों के बाद का भारत कैसे होगा, उसकी नींव हमें आज रखनी होगी। उसके लिए नए संकल्प लेने होंगे, साथ ही आज जो योजनाएं बनाई गई है उसी के आधार पर यही योजनाएं भविष्य के भारत को आकार देंगी।'

इसके बाद **निष्ठा 3.0 'निपुण भारत'** प्रोजेक्ट के विषय में चर्चा की गई। इस प्रोजेक्ट में जिले के सभी प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ाने वाले शिक्षकों का **फाउंडेशनल लिट्रेसी एंड न्युम्रेसी** को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण होगा। निष्ठा समग्र शिक्षा के अंतर्गत शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित एक समेकित कार्यक्रम है। यह शिक्षकों के क्षमता संवर्धन पर बल देती है। इसमें तीन वर्ष से लेकर आठ वर्ष तक के बच्चों को प्री-शिक्षा मिल सके उसके लिए जरुरी कदम उठाने की चर्चा की गई है। भारत बीते कुछ वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में नए नए निर्णय ले रहा है जिसका परिणाम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 है। प्रधानमंत्री ने कहा **'व्यये कृते वर्धते एव नित्यम्, विद्याधनं संर्वधनं प्रधानम्।।** अर्थात विद्या सभी सम्पतियों में श्रेठ है।' देश ने **'सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास'** के साथ **'सबका प्रयास'** का संकल्प लिया है, जिसे अध्यापक और शिक्षा से जुड़े व्यक्ति पूरा करने में सहयोग कर रहे हैं।

इसके बाद **विद्यांजलि 2.0** के विषय में बात की गई जो शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देश भर के स्कूलों में सामुदायिक और निजी क्षेत्र की भागीदारी के माध्यम से स्कूलों को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई एक पहल है। यह पहल स्कूलों को विभिन्न स्वयंसेवकों से जोड़ेगी, जैसे युवा पेशेवर, सेवानिवृत्त शिक्षक, सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी और कई अन्य जो **विद्यांजलि 2.0** में रुचि रखते हैं। इस का मुख्य उद्देश्य दूर दराज़ इलाकों और गरीब बच्चों को विद्यादान देना है। इस कार्यक्रम को सरकारी स्कूलों में सह-शैक्षिक गतिविधियों को मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों के स्वयंसेवकों को शामिल करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। भारत में **जनभागीदारी** राष्ट्रीय चरित्र का रूप ले रही है। इसी चर्चा के साथ टोक्यो ओलम्पिक्स और पारा ओलम्पिक्स से लौटे खिलाड़ियों से अनुरोध किया कि वे कम से कम 75 विद्यालयों में जाएँ और वहां के छात्रों में प्रोत्साहित करें। स्थानीय शिक्षकों की मदद से सामाजिक संवाद स्थापित करें।

इसके बाद **स्कूल क्वालिटी असेसमेंट एंड एश्योरेंस फ्रेमवर्क (SQAA)**को लॉन्च लिया गया जो बच्चों के जीवन में बदलाव लाने की दिशा में एक सामूहिक प्रयास है। वर्तमान वास्तविकता का आकलन, सामूहिक रूप से एक लक्ष्य की आकांक्षा करना, संवादों को प्रतिबिंबित करना और आरंभ करना, पहचानना और बड़े पैमाने पर जटिलताओं को प्रभावी ढंग से निपटने का सूत्र देती है।

एनडीईएआर प्लेटफोर्म का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह असामनता और भेदभाव को दूर करने में महत्वपूर्ण प्रयास है और यह नीति लागू करने में सहायक सिद्ध होगी। यहप्लेटफोर्मसामाजिक अनुभव और सृजनात्मक शिक्षा को प्रभावी बनाएगा

प्रधानमंत्री ने यह बताया की अनादि काल से सांकेतिक भाषा कला और संस्कृति का हिस्सा रही है और आज इस सांकेतिक भाषा को पाठ्यक्रम में लगाया जा रहा है। अध्यापकों के विषय में प्रधानमंत्री ने कहा की **'दृष्टान्तो नैव दृष्टस्त्रिभुवन जठरे सदुरोर्ज्ञानदातुः'** अर्थात तीनों लोक में ज्ञान देने वाले गुरु के लिए कोई उपमा नहीं दिखाई देती है। साथ ही इस पर भी जोर दिया कि तेज़ी से बदलती शिक्षा पद्धति में शिक्षको को भी नई-नई चीज़े सीखनी होंगी। इसी कड़ी में अपनी यात्राओं का अनुभव साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भूटान और सऊदी जैसे देशों में भारत से गए अध्यापकों ने पढ़ाया।यह बात स्वयं वहां के राजाओं ने प्रधानमंत्री से साझा किया। पढ़ाए जाने वाले व्यवसाय को सिर्फ व्यवसाय न मानकर उसे संवेदना से जोड़ कर देखना चाहिए। जो खुद एक नैतिक और पवित्र कर्तव्य है। इसी कारण हमारे देश में शिक्षक और विद्यार्थी के बीच व्यासायिक रिश्ता न हो कर पारिवारिक रिश्ता बन जाता है और ये सम्बन्ध सम्पूर्ण जीवन का सम्बन्ध होता है। आधुनिक शिक्षा जगत में हमें खुद के लिए अवसर तलाशना होगा। पढ़ने और पढ़ाने के तरीकों में नियमित रूप से परिवर्तन करते रहना होगा। इस शिक्षक पर्व के तहत 17 सितम्बर तक अलग-अलग विषयों पर अनेक विद्यालयों और सरकरी संस्थाओं में सेमिनारऔर कार्यशालाएं आयोजित की जाएँगी। कार्यक्रम के अंत में प्रधानमन्त्री ने सभी का धन्यवाद किया। उद्घाटन सत्र की समाप्ति की घोषणा करते हुए शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान जी ने प्रधानमंत्री जी का आभार व्यक्त किया।